श्री रब्ब चरण : प्वाइंट ए प्वाइंट आफ आर्डर, सर । मैंने मंत्री महोदय से पूछा था कि कितने शैड्यूल्ड कास्ट्स के छात्र लिये गये तो उस का उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया है ।

श्री रामावतार शास्त्री : दिल्ली कालिज ग्रौफ इंजीनियरिंग में दाखिले के लिए बहुत अधिक संख्या में स्टुडैंट्स आते हैं, दूसरे राज्यों से भी बहुत अधिक छात्र आते हैं तो मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि दूसरे राज्यों के छात्रों के लिए इस कालिज में क्या कुछ जगहें सुरक्षित हैं ?

Dr. Triguna Sen: There is no reservation for students from other States in the Delhi College of Engineering.

Shri S. Kundu: Is the hon. Minister aware that about 200 students are reading in the Delhi University and they feel the Academic Council has played a fraud on them by not allowing them to register themselves for admission into the intermediate class, having allowed the U.P. Adult Education Board to hold for qualifying examinations i.e. to sit for the entrance exammation, and . . . .

Mr. Speaker: He is imparting information and not giving information.

Shri S. Kundu: I am putting the question. Now, the Delhi University authorities say that they have not given such an authorisation. I think the Minister has not made any statement in reply to this.

Dr. Triguna Sen: This Short Notice Question relates to the Delhi College of Engineering, about which I think I have replied. What he has said is quite a different matter regarding the Delhi University.

Shri S. Kundu: It is a very important question, Sir.

Mr. Speaker: I am passing on to the next item of business.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

विदेशी ईसाई धर्म प्रचारकों की गतिविधियां

*1237. श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री राम गोपाल शालवाले :
श्री ओ० प्र० त्यागी :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय सीमा क्षेत्रों मे विदेशी ईसाई धर्म प्रचारकों की गतिविधिया बढ़ गई हैं;

(ख) क्या पहले कभी भारतीय ईसाई धर्म प्रचारकों ने सरकार को कोई ज्ञापन पेश किया था कि विदेशों से आ रहे ईसाई धर्म प्रचारको को रोका जाना चाहिये, और

(ग) यदि हां, तो अब तक कितने विदेशी धर्म प्रचारकों को भारत से बाहर भेज दिया गया है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों मे विदेशी ईसाई धर्म प्रचारकों के बारे में अपनी गतिविधिया बढ़ाने के प्रयत्न करने की सूचनाएं प्राप्त हुई हे । तथापि सरकार के पास इस बात का विश्वास करने के कोई कारण नहीं हैं कि समस्त सीमावर्ती क्षेत्रों में उनकी गतिविधिया सामान्यत: बढी हैं ।

(ख) हां, इस आशय के कुछ ज्ञापन प्राप्त हुए हैं ।

(ग) विदेशी ईसाई धर्म प्रचारको की संख्या में क्रमश: कमी हुई है । 1 जनवरी, 1962 को उनकी संख्या 4516 थी; 1 जनवरी, 1967 को उनकी संख्या 3915 रह गई ।